राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

(जुलाई, 2026 से प्रभावी)

हिंदी साहित्य

हिंदी विभाग

गुरुकुल काँगड़ी समविश्वविद्यालय हरिद्वार, (उत्तराखंड)

M.A. (HINDI)

SYLLABUS- 2026-2027

Department of Hindi

Gurukul Kangri (Deemed to be) University, Haridwar

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग	सदस्य	सदस्य	संयोजक	सह- संयोजक
प्रो. मुदिता अग्निहोत्री	डॉ. अजित सिंह तोमर	डॉ. निशा शर्मा	डॉ. निशा यादव	डॉ. सुनील कुमार

First Semester

SEMESTER-WISE STRUCTURE

SE	SL.	CLASSIFICATION		PAPER CODE	PAPER TITLE	CREDIT	L	T	P	LEVEL
I	1.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C101	छायावादोत्तर काव्य	4	-	-	-	400-499
I	2.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C102	राष्ट्रीय काव्यधारा	4	-	-	-	400-499
I	3.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C103	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	4	-	-	-	400-499
I	4.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C104	सूरदास (विशेष अध्ययन)	4	-	-	-	400-499
1	5.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C105	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	-	-	-	400-499
Second Semester										
II	6.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 201	शोध प्रविधि	4	-	-	-	400-499
II	7.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 202	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	-	-	-	400-499
II	8.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 203	नव संचार माध्यम और हिन्दी	4	-	-	-	400-499
II	9.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 201	प्रेमचन्द (विशेष अध्ययन)	4	-	-	-	400-499
II	10.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 202	अनुवाद विज्ञान	4	-	-	-	400-499
II	11.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 203	मीराँबाई (विशेष अध्ययन)	4	-	-	-	400-499
II	12.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 204	जैनेंद्र: (विशेष अध्ययन)	4	-	-	-	400-499
Third Semester										
III	13.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 301	प्राचीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य	4	-	-	-	400-499
III	14.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 302	हिंदी साहित्य की इतिहास	4	-	-	-	400-499
III	15.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 301	भारतीय साहित्य	4	-	-	-	400-499
III	16.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 302	उत्तराखंड के प्रमुख हिंदी साहित्यकार	4	-	-	-	400-499

III	17.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 303	**नाटक एवं रंगमंच**	4	-	-	-	400-499
III	18.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 304	**कथेतर हिंदी गद्य साहित्य**	4	-	-	-	400-499
III	19.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 305	**अनुदित कथा साहित्य**	4	-	-	-	400-499
III	20.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 306	**संचार माध्यमों के लिए लेखन**	4	-	-	-	400-499
III	21.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26- E 307	**हिन्दी भाषा एवं भाषा प्रौद्योगिकी**	4	-	-	-	400-499
Fourth Semester/ PG CURRICULAR STRUCTURE WITH COURSE WORK / RESEARCH										
IV	22.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 401	**हिंदी आलोचना**	4	-	-	-	400-499
	23.	Discipline Specific Core	DSC	MHL26-C 402	**भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	4	-	-	-	400-499
IV	24.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 401	**कबीरदास**	4	-	-	-	400-499
IV	25.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 402	**आदिवासी विमर्श**	4	-	-	-	400-499
IV	26.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 403	**हिंदी के प्रमुख निबंधकार**	4	-	-	-	400-499
IV	27.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 404	**हिंदी की प्रमुख महिला कथाकार**	4	-	-	-	400-499
IV	28.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 405	**हिन्दी साहित्य की वैचारिकी**	4	-	-	-	400-499
IV	29.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 406	**हिंदी पत्रकारिता**	4	-	-	-	400-499
IV	30.	Discipline Specific Elective	**DSE**	MHL26-E 407	**सगुण भक्ति काव्य**	4	-	-	-	400-499
IV	31.	Research (Dissertation/ Project/ Patent/Research Paper)	**DIS/PR/ RP**	MHL26-D408	Dissertation	20	-	-	-	

POs (कार्यक्रम के परिणाम)

हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी निम्नानुसार लाभांवित हो सकेगा :-

PO-1. साहित्य के विभिन्न कालखंडों के अंतर्गत गद्य - पद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन विद्यार्थियों की साहित्यिक समझ को व्यापकता प्रदान करेगा।

PO-2. साहित्य/साहित्यकार और समाज के अंतर्संबंध का अनुशीलन करते हुए, विद्यार्थी में साहित्य को लेकर आलोचनात्मक एवं तार्किक दृष्टि का विकास होगा।

PO-3. हिंदी साहित्य को समय - समय पर प्रभावित करने वाली विभिन्न विचारधाराएं / वाद एवं आंदोलनों का प्रभाव तथा साहित्य के विकास में उनके योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।

PO-4. भारतीय साहित्य एवं अनूदित साहित्य के अध्यन के माध्यम से साहित्य के स्वरूप और उद्देश्य को वैश्विक परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में समझते हुए विद्यार्थियों में तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा।

PO-5. साहित्य के सैद्धांतिक एवं वैचारिक पक्ष के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थियों में सृजनात्मक अनुप्रयोग एवं रचनात्मक लेखन कौशल का विकास हो सकेगा।

PO-6. पत्रकारिता, अनुवाद विज्ञान, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी के अध्ययन से विद्यार्थी के समक्ष रोजगार के अवसर खुल सकेंगे।

PO-7. प्रमुख विमर्शों का अध्ययन कर विद्यार्थी उनकी सैद्धांतिकी और उनके प्रमुख उद्देश्यों का अनुशीलन कर सकेंगे।

PO-8. शोध परियोजना एवं शोध प्रविधि जैसे विषयों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थियों में शोधपरक दृष्टि का विकास हो सकेगा। इससे गुणवत्तापूर्ण शोध को नई दिशा मिलेगी।

PO-9. हिंदी साहित्य में महिला लेखिकाओं के योगदान और उनकी वैचारिकी को लेकर विद्यार्थियों की समझ विकसित हो सकेगी।

PO-10. भारतीय ज्ञान परम्परा, सांस्कृतिक बोध एवं काव्यशास्त्र की व्यापक परम्परा का अनुशीलन करते हुए विद्यार्थी, उसके समकालीन महत्त्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।

PSOs (कार्यक्रम के विशेष परिणाम)

हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी निम्नानुसार लाभांवित हो सकेगा :-

PSO-1. विद्यार्थी हिन्दी भाषा, साहित्य, काव्यशास्त्र एवं आलोचना की प्रमुख अवधारणाओं, प्रवृत्तियों, विधाओं तथा विभिन्न साहित्यिक कालों का गहन एवं समग्रतापूर्ण अध्ययन कर सकेंगे।

PSO-2. विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक एवं शोधपरक अध्ययन करते हुए स्वतंत्र विश्लेषण तथा शोध कार्य करने में दक्ष होंगे।

PSO-3. विद्यार्थी हिन्दी भाषा प्रौद्योगिकी, पत्रकारिता, दृश्य-श्रव्य माध्यम, अनुवाद, संपादन तथा डिजिटल संचार के क्षेत्र में आवश्यक व्यावहारिक एवं व्यावसायिक कौशल विकसित करेंगे जिससे रोजगारपरक अवसर खुल सकेंगे।

PSO-4. भारतीय ज्ञान-परंपरा, क्षेत्रीय साहित्य, विभिन्न विमर्शों तथा समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकारों को लेकर विद्यार्थियों में समावेशी एवं मानवीय समझ विकसित हो सकेगी।

PSO-5. विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन, रंगमंच, साहित्यिक गतिविधियों, नवाचार एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति में सक्षम होंगे।

PSO-6. साहित्यिक कालखंडों एवं उनकी प्रवृत्तियों का समग्रता से अध्ययन विश्लेषण करते हुए, उनका विभिन्न संदर्भों में तुलनात्मक अध्ययन करने में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

PSO-7. विद्यार्थियों को विभिन्न संदर्भों में क्षेत्रीय एवं वैश्विक साहित्य का बोध होगा।

PSO-8. साहित्य की विभिन्न विधाओं के तात्विक विवेचन के साथ ही विद्यार्थी विभिन्न साहित्यकारों की वैचारिकी और दृष्टिकोण को समझ सकेंगे।

PSO-9. जीवन मूल्यों एवं सामाजिक मूल्यों के विकास में साहित्य के महत्व को समझते हुए, स्वस्थ एवं समृद्ध समाज, राष्ट्र निर्माण में साहित्य की भूमिका का आंकलन कर सकेंगे।

PSO-10. संप्रेषण कौशल और भाषाई दक्षता का विकास हो सकेगा।

प्रथम सेमेस्टर

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: छायावादोत्तर काव्य

Course Code: MHL-26 C 101

Course Type: Core

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: छायावादोत्तर काव्य की विशेषताओं से परिचित होंगे।

CO2: छायावादोत्तर काव्य की भाषागत विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO3: नागार्जुन, मुक्तिबोध व धूमिल की कविताओं का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।

CO4: छायावादोत्तर काव्य की महत्ता को समझ सकेंगे।

CO5: छायावादोत्तर युगीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी हो सकेगी।

इकाई-1,2 से व्याख्या एवं कवि परिचय तथा इकाई-3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई - 1

नागार्जुन: प्रतिनिधि कविताएँ, (प्रतिबद्ध हूँ, सिंदूर तिलकित भाल, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद,) सम्पा. नामवर सिंह

अज्ञेय- असाध्य वीणा

इकाई- 2

मुक्तिबोध - अँधेरे में

धूमिल - पटकथा

इकाई - 3

नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएँ, नागार्जुन के काव्य में प्रगतिवादी चेतना, यथार्थ चेतना एवं लोक दृष्टि।

अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता, अज्ञेय की काव्य भाषा, असाध्य वीणा की मूल संवेदना।

इकाई - 4

मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताएँ, मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी, अंधेरे में कविता का मूल कथ्य/संवेदना, धूमिल की काव्य चेतना, पटकथा का कथ्य एवं शिल्प।

संदर्भ ग्रन्थ–

1. अज्ञेय की कविता: एक मूल्यांकन, चन्द्रकान्त वांदिवडेकर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद)।
2. भवानी प्रसाद मिश्र और उनका काव्य संसार, डॉ. अनुपम मिश्र, विकास प्रकाशन, कानपुर।
3. नागार्जुन की काव्य यात्रा, डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. नागार्जुन की कविता, डॉ. अजय तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अंतस्तल का पूरा विप्लव: अँधेरे में, संपा. निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मुक्तिबोध की कविताई, अशोक चक्रधर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष, डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

8. नरेश मेहता का काव्य : विमर्श और मूल्यांकन, प्रभाकर शर्मा, विकास प्रकाशन, कानपुर।
9. त्रिलोचन का कवि-कर्म, विष्णु चन्द्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. कुँवर नारायण और उनका साहित्य, अनिल मेहरोत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. कटघरे का कवि धूमिल, डॉ. ग.तु. अष्टेकर, अमन प्रकाशन, कानपुर।

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: राष्ट्रीय काव्यधारा

Course Code: MHL-26 C 102

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO 1. साहित्य की राष्ट्रीय काव्यधारा व कवियों का परिचय।

CO 2. साहित्य की राष्ट्रीय-सामाजिक भूमिका की जानकारी।

CO 3. स्वाधीनता आंदोलन में साहित्य के अवदान को स्पष्ट करना।

CO 4. राष्ट्रीयता (देशभक्ति अथवा राष्ट्रभक्ति) के साथ ही जन-मानस की जागरूकता के विकास में तत्कालीन साहित्य की भूमिका।

CO 5. गीतों में प्रस्तुत/अभिव्यक्त राष्ट्र की अवधारणा, एकता, अखंडता और सांस्कृतिक बहुलता का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई-1,2,3 से व्याख्या एवं कवि परिचय तथा इकाई- 4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई- 1 (व्याख्या)

- मैथिलीशरण गुप्त- आर्य और मातृभूमि
- माखनलाल चतुर्वेदी- पुष्प की अभिलाषा,जवानी

इकाई- 2 (व्याख्या)

- सोहन लाल द्विवेदी- मातृभूमि तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग -पग में)
- बाल कृष्ण शर्मा नवीन -कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि-कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है

इकाई- 3 (व्याख्या)

- रामधारी सिंह दिनकर -शहीद स्तवन और हिमालय (कलम आज उनकी जय बोल)
- श्याम नारायण पाण्डेय-चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार
- द्वारिका प्रसाद महेश्वरी-उठो धरा के अमर सपूतों

इकाई- 4

- फ़िल्मी राष्ट्रीय गीत
  कवि प्रदीप- ऐ मेरे वतन के लोगों,आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है.(किस्मत-1943)
  साहिर लुधियानवी-ये देश है वीर जवानों का (नया दौर-1957)
  नीरज- ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961)
  राजिंदर कृष्ण- जहाँ डाल डाल पर (सिकंदर-ए-आज़म, 1965)
  गुलशन बावरा- मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार, 1976)
  प्रसून जोशी-देश रंगीला (फ़ना 2006)

संदर्भ ग्रंथ-

1. मैथलीशरण गुप्त ग्रंथावली, डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद)।

2. भारतीय सिनेमा का सफरनामा, डॉ. पुनीत बिसारिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य सुधा, डॉ. शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. नवजागरण, देसी स्वच्छंदतावाद और नई काव्यधारा, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. वाणी वितान, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना, डॉ. सुधाकर शंकर कलवडे, विकास प्रकाशन, कानपुर।

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Course Code: MHL-26 C103

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: अस्मितामूलक एवं विमर्शमूलक साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।

CO2: दलित, स्त्री एवं आदिवासी विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि को जान सकेंगे।

CO3: विभिन्न साहित्यिक विमर्शों के सामाजिक सरोकारों को समझ सकेंगे।

CO4: दलित साहित्य के स्वरूप एवं विकास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO5: विमर्शमूलक साहित्य का आलोचनात्मक अनुशीलन कर सकेंगे।

नोट: इकाई-1, से आलोचनात्मक प्रश्न एवं इकाई- 2, 3, 4 से व्याख्या एवं कवि परिचय, आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई-1 विमर्शो की सैद्धांतिकी

1. दलित विमर्श अवधारणा और आंदोलन ज्योतिबा फुले और बी.आर. अम्बेडकर
2. स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
3. आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन

इकाई-2. विमर्श मूलक कहानी**,** उपन्यास

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि: सलाम (कहानी)
2. जयप्रकाश कर्दम- नौ बार (कहानी)
3. नासिरा शर्मा- खुदा की वापसी (कहानी)
4. हरीराम मीणा- धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या 158 से 159 (उपन्यास)
5. मोहनदास नैमिशराय- मुक्तिपर्व का अंश, पृष्ठ-25-29 (उपन्यास)

इकाई-3 विमर्श मूलक आत्मकथा

1. प्रभा खेतान- अन्या से अनन्या, पृष्ठ-28 से 42 (आत्मकथा)
2. तुलसीराम- मुर्दहिया, चौधरी चाचा से प्रारंभ पृष्ठ संख्या 125 से 135 (आत्मकथा)
3. ओमप्रकाश वाल्मीकि- जूठन (आत्मकथा)

इकाई-4 विमर्श मूलक कविता, नाटक

1. अच्युतानंद- दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे (कविता)
2. कीर्ति चौधरी: सीमारेखा, कात्यायनी: सात भाइयों के बीच चंपा, सविता सिंह: मैं किसकी औरत हूँ, (कविता)
3. माताप्रसाद- सोनवा का पिजरा (नाटक)
4. कालीचरण सनेही- दलित विमर्श (निबन्ध)

संदर्भ ग्रंथ-

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. दलित विमर्श की भूमिका, कवल भारती, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद (प्रयागराज)।

3. स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा, जगदीश्वर चतुर्वेदी एवं सुधा सिंह, आनंद प्रकाशन, कोलकाता।

4. उपनिवेश में स्त्री, प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. आदिवासी अस्मिता का संकट, रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. दलित चेतना : साहित्यिक और सामाजिक सरोकार, रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: सूरदास (विशेष अध्ययन)

Course Code: MHL-26 C 104

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: सूरदास के साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे।

CO2: सगुण भक्ति काव्य के स्वरूप और अवधारणा को समझ सकेंगे।

CO3: सूरदास, जयदेव और विद्यापति के काव्य को लेकर तुलनात्मक एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हो पाएगा।

CO4: हिंदी साहित्य में सूरदास के अवदान को समझ सकेंगे।

CO5: विद्यार्थी सूर काव्य के औचित्य, भाव पक्ष एवं कला पक्ष का अध्ययन - विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई-1, 2 से व्याख्या तथा इकाई-3, 4, 5 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई-1 (व्याख्या हेतु)

सूरसागर सार - सम्पा० डॉ० धीरेन्द्र वर्मा

(विनय तथा भक्ति) (गोकुल लीला, उद्धव संदेश)

इकाई-2

सूर की भक्ति भावना, सूर की दार्शनिक चेतना, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का श्रृंगार वर्णन, गोपियों का विरह वर्णन, सूर की सौन्दर्य योजना, सूर काव्य का मनोवैज्ञानिक पक्ष, सूर काव्य में लोक तत्व।

इकाई-3

सूर का प्रकृति चित्रण, सूर की गीति योजना, सूर के भ्रमर गीत का वैशिष्ट्य, सूर की गोपियाँ।

अष्टछाप के कवियों में सूर का स्थान, सूर की भाषा, सूर की काव्य कला, सूर काव्य की प्रासंगिकता।

इकाई-4

श्रीमदभागवत और सूर सागर, पुष्टि मार्ग और सूरदास, सूर की प्रतीक योजना, सूर का दैन्य भाव।

सूर पर जयदेव और विद्यापति का प्रभाव, सूर और नन्द दास की गोपियाँ, सूर की बिम्ब योजना, सूर की राधा, सूर का राम काव्य।

संदर्भ ग्रंथ-

1. सूर और उनका साहित्य, डॉ. हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।
2. भारतीय साधना और सूर साहित्य, डॉ. मुंशीराम शर्मा, कानपुर पुस्तक भण्डार, कानपुर।
3. सूर सौरभ (भाग–1 एवं 2), डॉ. मुंशीराम शर्मा, कानपुर पुस्तक भण्डार, कानपुर।
4. सूर की काव्य साधना, गोविन्द राम शर्मा, साहित्य भवन प्रा. लि., प्रयागराज (इलाहाबाद)।
5. सूर की काव्य कला, डॉ. मनमोहन गौतम, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. सूर की साहित्य साधना, सम्पा. डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. सूरदास, सम्पा. हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. सूर की काव्य चेतना, डॉ. रत्नाकर पाण्डेय, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
9. सूर सर्वस्व, प्रभुदयाल मीतल, साहित्य संस्थान, मथुरा।
10. सूर साहित्य संदर्भ, सम्पा. रामस्वरूप आर्य एवं डॉ. गिरिराज शरण अग्रवाल, संगम प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद)।

11. सूर की सांस्कृतिक चेतना और उनका युगबोध, डॉ. सन्त राम वैश्य, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
12. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य, डॉ. मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: **प्रयोजनमूलक हिन्दी**

Course Code: MHL-26 C 105

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: हिंदी भाषा के रोजगारमूलक स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2: हिंदी पत्रकारिता की समीक्षा कर पाएंगे।

CO3: संवाद लेखन और विज्ञापन के प्रमुख रूपों से परिचित होंगे।

CO4: प्रयोजनमूलक हिंदी के औचित्य को समझ पाएंगे।

CO5: समाचार लेखन कौशल में निपुण होंगे।

इकाई-1 प्रयोजनमूलक हिंदी कार्य एवं स्वरूप, अनुप्रयोग। हिन्दी के विभिन्न रूप सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा। कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य, कम्प्यूटर: सामान्य परिचय, रूपरेखा, उपयोग, क्षेत्र तथा कम्प्यूटर की विशेषताएँ। सूचना प्रौद्योगिकी एवं हिन्दी भाषा, इंटरनेट, वेब सर्च इंजन, हिन्दी यूनिकोड फॉन्ट।

इकाई-2 पत्रकारिता: स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार। हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास। समाचार लेखन कला। सम्पादन के आधारभूत तत्त्व। व्यावहारिक प्रूफ शोधन। शीर्षक की संरचना, शीर्षक सम्पादन। सम्पादकीय लेखन। समाचार लेखन।

इकाई-3 दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पटकथा लेखन, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा, इंटरनेट: सामग्री सृजन।

इकाई-4 अनुवाद - अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। अनुवाद के प्रकार, हिन्दी की प्रयोजनमूलकता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद का महत्त्व, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धान्त एवं व्यवहार।

संदर्भ ग्रंथ-

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, सम्पा. रविन्द्रनाथ प्रसाद, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली।
3. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कम्प्यूटर और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र-लेखन, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी और उसका अनुप्रयोग, डॉ. ज्ञानचन्द रावल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

द्वितीय सेमेस्टर

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: शोध प्रविधि

Course Code: MHL-26 C 201

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: शोध के स्वरूप व प्रकार को समझ सकेंगे।

CO2: समाज में शोध की उपयोगिता से परिचित होंगे।

CO3: शोध के आवश्यक चरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO4: साहित्यिक अनुसंधान के महत्व को समझ सकेंगे।

CO5: हिंदी में शोध की उपलब्धियों एवं सीमाओं से परिचित होंगे।

इकाई- 1

शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, शोध के विभिन्न पर्याय, अनुसंधान और आलोचना , पाठानुसंधान की परिभाषा एवं प्रकार, शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्वाचन, शोधकर्ता के आवश्यक गुण, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि।

इकाई-2

अनुसंधान के मूल तत्त्व, अनुसंधान के प्रकार, सामग्री संकलन के स्रोत, सामग्री संकलन की विभिन्न प्रणालियाँ, सामग्री विश्लेषण एवं संयोजन, पत्राचार प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध-पत्र, हस्तलेखों का संकलन एवं उपयोग, उपजीव्य एवं उपस्कारक ग्रन्थों का पारायण।

इकाई-3

शोध कार्य का विभाजन, अध्याय-उपशीर्षक और अनुपात, रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका लेखन, अनुक्रमणिका, पाद-टिप्पण, सन्दर्भ उल्लेख, सहायक ग्रन्थों की सूची, परिशिष्ट लेखन, पांडुलिपि अवलोकन एवं सम्पादन, अशुद्धियों का निर्मूल और शोध प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण, संक्षेपिका।

इकाई-4

शोध: प्रविधि और दृष्टि: साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग, साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग, अंतर विचारपरक अनुसंधान प्रविधि, तुलनात्मक अनुसंधान प्रविधि, मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि, भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान।

संदर्भ ग्रंथ-

1. शोध प्रविधि, डॉ. विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. अनुसंधान का स्वरूप, सं. सावित्री सिन्हा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुसंधान की प्रक्रिया, डॉ. ज्ञान प्रकाश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी शोध तन्त्र की रूपरेखा, डॉ. मनमोहन सहगल, साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शोध प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. चन्द्रभान रावत एवं डॉ. भव कुमारी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
6. अनुसंधान के मूल तत्त्व, डॉ. उदयभानु सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद)।
7. अनुसंधान की प्रक्रिया, डॉ. सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

8. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. नवीन शोध विज्ञान, डॉ. तिलक सिंह, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
10. शोध : स्वरूप एवं मानक कार्यविधि, डॉ. बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. शोध प्रविधि, मैथली प्रसाद भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
12. शोध प्रविधि, डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Course Code: MHL-26 C 202

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन को समझ पाएंगे।

CO2: भाषा विज्ञान की उपयोगिता व महत्त्व का विवेचन कर पाएंगे।

CO3: भाषा के संदर्भ में स्वन, रूप व अर्थ के स्वरूप व परिवर्तन के कारणों का अध्ययन कर पाएंगे।

CO4: भाषिक इकाई के रूप में वाक्य के संरचनात्मक अध्ययन से परिचित होंगे।

CO5: हिंदी भाषा व देवनागरी लिपि के विकास के साथ ही हिंदी की संवैधानिक स्थिति का मूल्यांकन कर पाएंगे।

इकाई-1.

भाषा: परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं, भाषा और बोली, भाषा विज्ञान: परिभाषा, भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध, भाषा विज्ञान की उपयोगिता।

इकाई-2.

स्वन विज्ञान: परिभाषा व प्रमुख शाखाएं, प्रमुख वाक् अवयव, स्वनों का वर्गीकरण- स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण, स्वनिम विज्ञान स्वरूप एवं अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिम और उपस्वन, रूप विज्ञान- स्वरूप, शब्द और रूप में अंतर, संबंध तत्व एवं अर्थ तत्व का संबंध, रूपिम विज्ञान स्वरूप एवं अवधारणा।

इकाई-3.

वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व,वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण, अर्थ विज्ञान, शब्द और अर्थ का संबंध ,अर्थ परिवर्तन के कारण ओर दिशाएं।

इकाई-4

हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिंदी भाषा की उपभाषाएं एवं बोलियां, हिंदी की संवैधानिक स्थिति, देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास।

संदर्भ ग्रन्थ:-

1. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, प्रयागराज (इलाहाबाद)।
2. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, डॉ. रामकिशोर शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
4. आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
5. भाषा विज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: नव संचार माध्यम और हिंदी

Course Code: MHL-26 C 203

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: संचार माध्यम और हिंदी के अंतर्संबंध का बोध विकसित कर सकेंगे।

CO2: संचार माध्यम में हिंदी अनुप्रयोग को समझ सकेंगे।

CO3: नव संचार माध्यम और पारम्परिक संचार माध्यम के अंतर की विवेचना कर सकेंगे।

CO4: संचार माध्यम के हिंदी लेखन से परिचित हो सकेंगे।

CO5: सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन प्रविधि को सीख सकेंगे।

इकाई-1

संचार: परिभाषा, अवधारणा एवं प्रक्रिया, संचार के प्रकार (अंतःवैयक्तिक संचार ,अंतरवैयक्तिक, समूह संचार, जन संचार) संचार के बाधक तत्व. संचार का भारतीय स्वरूप. पारम्परिक (लोक माध्यम) और आधुनिक संचार माध्यम (डिजिटल एंड इलेक्ट्रॉनिक). जनसंचार के प्रमुख साधन।

इकाई-2

डिजिटल पत्रकारिता: उद्भव एवं विकास. मुद्रित माध्यमों में हिंदी का विकास. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में हिंदी का विकास एवं अनुप्रयोग. नव संचार माध्यम : सूचना प्रौद्योगिकी विकास, तकनीकी विकास यात्रा. एआई (कृत्रिम मेधा) और संचार माध्यम. प्रमुख सर्च इंजन।

इकाई-3

नव संचार माध्यम- इन्टरनेट आधारित संचार माध्यम. स्मार्टफोन आधारित संचार. कंप्यूटर: संचार अनुप्रयोग. सोशल मीडिया- प्रकार, आयाम और अनुप्रयोग. न्यू मीडिया: भाषा, समाज और नैतिक मुद्दें. हिंदी टाइपिंग टूल्स. हिंदी वॉयस टाइपिंग और हिंदी अनुवाद टूल्स. हिंदी फॉण्ट एवं प्रमुख उपयोगी सॉफ्टवेयर।

इकाई-4

संचार माध्यमों के लिए हिंदी लेखन, आलेख, फीचर, सम्पादकीय, समाचार लेखन. डिजिटल एवं न्यू मीडिया के लिए लेखन- ब्लॉग, पॉडकास्ट, नव संचार माध्यम लेखन-चुनौतियां और संभावाएं, पारम्परिक और नव संचार माध्यमों में अंतर।

संदर्भ ग्रन्थ-

1. भारत में जनसंचार: केवल जे कुमार, जैको पब्लिकेशन हॉउस, मुंबई।
2. जनमाध्यम और मास कल्चर, जगदीश्वर चतुर्वेदी,सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मीडिया लेखन-सिद्धांत और व्यवहार, डा0 चन्द्र प्रकाश मिश्रा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. संचार के सिद्धांत: अर्मांड मैतलार्त, मिशेल मैतलार्त, ग्रन्थशिल्पी, नई दिल्ली।
5. प्रसारण और समाज, मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।

6. टेलीविजन: प्रौद्योगिकी औप सांस्कृतिक रूप, रेमंड विलियम्स, ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली।
7. नया मीडिया: अध्ययन और अभ्यास, शालिनी जोशी, शिव प्रसाद जोशी, पेंगुइन प्रकाशन।
8. नए जन संचार माध्यम और हिंदी, (संपा-सुधीश पचौरी, अचला शर्मा), राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
9. डिजिटल मीडिया और हिंदी पत्रकारिता, राहुल देव, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. सोशल मीडिया और हिंदी, संजीव पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. मीडिया और समाज, विष्णु राजगढ़िया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: प्रेमचन्द (विशेष अध्ययन)

Course Code: MHL-26 E 201

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: प्रेमचंद के व्यक्तित्व व कृतित्व से परिचित होंगे।

CO2: प्रेमचंद के साहित्य मर्म को समझ सकेंगे।

CO3: प्रेमचंद की भाषा शैली से परिचित होंगे।

CO4: प्रेमचंद की कहानियों की विषय वस्तु का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO5: प्रेमचंद की गद्यगत विशेषता जान सकेंगे।

इकाई-1,2 से व्याख्या एवं लेखक परिचय तथा इकाई-3, 4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई- 1 उपन्यास

प्रेमचंद-सेवासदन (व्याख्या)

इकाई- 2

साहित्य का उद्देश्य (निबंध)

कहानियाँ

- नमक का दरोगा
- पूस की रात
- शतरंज के खिलाड़ी
- पंचपरमेश्वर
- ईदगाह
- दो बैलों की कथा
- कफ़न

इकाई- 3

सेवासदन का शिल्प-विधान, सेवासदन की समस्याएं, सेवासदन के पात्र और चरित्र-चित्रण

इकाई- 4

साहित्य का उद्देश्य निबंध का वैशिष्ट्य एवं कथ्य, समस्त कहानियों का उद्देश्य एवं समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थ:-

1. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रेमचन्द घर में, शिवरानी देवी, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. प्रेमचंद, राजेश्वर गुरु, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

4. प्रेमचंद: एक विवेचन, डॉ. इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान, डॉ. कमलकिशोर गोयनका, सरस्वती प्रेस, नई दिल्ली।

6. प्रेमचंद, गंगाप्रसाद विमल, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।

7. प्रेमचंद : कलम का सिपाही, अमृतराय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: अनुवाद विज्ञान

Course Code: MHL-26 E 202

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: अनुवाद सिद्धांत का अनुशीलन कर सकेंगे।
CO2: अनुवाद के औचित्य को समझ सकेंगे।
CO3: अनुवाद की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।
CO4: अनुवाद प्रक्रिया का सैद्धांतिक विवेचन कर सकेंगे।
CO5: अनुवाद और कंप्यूटर अनुप्रयोग सीख सकेंगे।

इकाई-1

अनुवाद: अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएँ, अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार, अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि। ए-आई आधारित अनुवाद टूल्स, विधि साहित्य अनुवाद, भावानुवाद, शब्दानुवाद, आशु अनुवाद।

इकाई – 2

हिन्दी के प्रयोजनमूलकता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, मशीनी अनुवाद, सृजनात्मक वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद।

इकाई – 3

काव्यानुवाद और सम्बंधित समस्याएं, नाट्यानुवाद और सम्बंधित समस्याएं, कहानी अनुवाद और सम्बंधित समस्याएं, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ।

इकाई – 4

अनुवाद-प्रक्रिया की प्रकृति, व्यावहारिक- अनुवाद- अभ्यास अंग्रेजी पदनामों का हिन्दी अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि, पत्रों, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों के अनुवाद।

संदर्भ ग्रन्थ-

1. अनुवाद विज्ञान की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग, जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद)।
3. अनुवाद विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली।

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: मीराँबाई (विशेष अध्ययन)

Course Code: MHL-26 E 203

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: विद्यार्थी मीराँबाई के जीवन एवं तत्कालीन परिस्थितियों को समझ सकेंगे।

CO2: भक्तिकाल के प्रमुख कृष्ण भक्ति संप्रदायों को लेकर विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

CO3: मीराँबाई के साहित्य के कला पक्ष एवं भाव पक्ष का अनुशीलन कर सकेंगे।

CO4: समकालीन संदर्भों में मीराँबाई के काव्य की प्रासंगिकता को लेकर समझ विकसित हो सकेगी।

CO5: मीराँबाई के साहित्य के अनुशीलन के पश्चात विद्यार्थियों में आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।

इकाई-2 से व्याख्या एवं कवि परिचय और इकाई-1,3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई - 1

मीराँबाई का जीवन परिचय एवं रचनाएं, मीराँबाई युगीन सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियां, भक्ति आंदोलन और मीराँबाई, प्रमुख कृष्ण भक्ति संप्रदाय, संप्रदाय निरपेक्ष कृष्ण काव्य और मीराँबाई।

इकाई - 2

व्याख्या भाग

मीराँबाई की पदावली, आरंभ के 25 पद परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य सम्मेलन प्रयागराज।

इकाई - 3

मीराँबाई की भक्ति भावना, मीराँबाई के आराध्य : सगुण और निर्गुण के परिप्रेक्ष्य में, मीराँबाई के काव्य में गीति तत्त्व, मीराँबाई की विरह वेदना।

इकाई - 4

मीराँबाई की काव्य- भाषा, मीराँबाई की काव्यगत विशेषताएं, मीराँबाई के काव्य में लोकतत्व, समकालीन संदर्भों में मीराँबाई के काव्य की महत्ता।

संदर्भ ग्रन्थ-

1. मीराँबाई की पदावली, परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज
2. मीराँ का काव्य, विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली
4. साहित्यिक निबंध, गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

5. मीराँ, एक अध्ययन, पद्मावती शबनम, लोक सेवक प्रकाशन, बनारस

6. मीराँबाई का जीवन चरित्र, मुंशी देवी प्रसाद कृत, संपादक ललितप्रसाद शुक्ल

7. मीराँ की प्रेम साधना, डॉ. भुवनेश्वर मिश्र 'माधव', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8. मीराँ का काव्य, डॉ. भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन (प्राथमिक) लिमिटेड, बनारस

9. मीराँबाई ग्रंथावली, कल्याण सिंह शेखावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: जैनेंद्र (विशेष अध्ययन)

Course Code: MHL-26 E 204

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: जैनेंद्र के दर्शन और मनोविश्लेषणवादी धारा को समझना।

CO2: प्रमुख उपन्यासों के नैतिक और मनोवैज्ञानिक द्वंद्व का विश्लेषण करना।

CO3: कहानी शिल्प और संवेदना के नए प्रतिमानों की पहचान करना।

CO4: वैचारिक निबंधों के माध्यम से उनके सामाजिक चिंतन का मूल्यांकन करना।

CO5: हिंदी गद्य शैली में जैनेंद्र के भाषाई योगदान को रेखांकित करना।

इकाई 1: जैनेंद्र का जीवन और युग: हिन्दी साहित्य में मनोवैज्ञानिक उपन्यास लेखन के अग्रदूत जैनेन्द्र कुमार वैचारिक आधार: गांधीवाद और जैन दर्शन का समन्वय.. जैनेन्द्र का भाषायी वैशिष्ट्य.हिन्दी आलोचकों की दृष्टि में जैनेंद्र का रचना संसार।

इकाई 2: प्रतिनिधि उपन्यास: 'सुनीता' और 'त्यागपत्र' कथ्य और संवेदना, प्रमुख पात्र और उनका मनोवैज्ञानिक संसार, नारी के अंतर्मन का द्वंद्व, नैतिकता की नई परिभाषा और पुरुष-अहंकार का विश्लेषण।

इकाई 3: प्रतिनिधि कहानियाँ**:**'पाजेब', 'पत्नी', 'जाह्नवी' और 'एक रात', कहानियों के मनोवैज्ञानिक पक्ष, चरित्रगत विशेषताएं, कहानियों में वर्णित प्रतीकात्मकता, मध्यमवर्गीय जीवन के मनोवैज्ञानिक संकट।

इकाई 4: निबंध- 'जड़ की बात' और 'साहित्य का श्रेय और प्रेय' के वैचारिक आयाम, प्रेम, विवाह, राजनीति और अहिंसा पर मौलिक दृष्टि एवं चिन्तन।

संदर्भ ग्रंथ

1. जैनेंद्र कुमार, त्यागपत्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. जैनेंद्र कुमार, सुनीता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जैनेंद्र कुमार, परख, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जैनेंद्र कुमार, जैनेंद्र की कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. जैनेंद्र कुमार, जड़ की बात, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जैनेंद्र कुमार, साहित्य का श्रेय और प्रेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. जैनेंद्र कुमार, ये और वे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. जैनेंद्र कुमार, विवाह, प्रेम और नैतिकता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. डॉ. नामवर सिंह, जैनेंद्र : व्यक्तित्व और कृतित्व, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. डॉ. रामविलास शर्मा, हिंदी उपन्यास का विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. डॉ. जानसी थामस, जैनेंद्र कुमार के कथा साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, अद्वैत प्रकाशन, नई दिल्ली।

तृतीय सेमेस्टर

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: प्राचीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य

Course Code: MHL-26 C 301

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की विशेषताओं को समझ सकेंगे।

CO2: पृथ्वीराज रासो, विद्यापति पदावली, कबीर ग्रन्थावली तथा पद्मावत का अध्ययन कर सकेंगे।

CO3: भक्ति, श्रृंगार, रहस्यवाद एवं विरह भाव की पहचान कर सकेंगे।

CO4: मध्यकालीन हिंदी साहित्य की भाषा एवं काव्य-शैली का बोध प्राप्त कर सकेंगे।

CO5: प्रमुख कवियों के साहित्यिक योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।

नोट: इकाई-1,2 से व्याख्या एवं कवि परिचय तथा इकाई-3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई- 01

संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो - सम्पा० हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह, साहित्य भवन प्रा०लि०, इलाहाबाद

(शशिव्रता विवाह प्रस्ताव - आरम्भ से छन्द संख्या 25 तक)

विद्यापति पदावली - सम्पा० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पद संख्या - 03, 27, 35, 36, 40, 46, 51, 57, 153, 159, 179, 183, 187, 193, 196, 205, 231, 241, 250, 252 (20 पद)।

इकाई- 02. कबीर ग्रन्थावली- सम्पा० डॉ. श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

साखी - गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, कबीर ग्रंथावली- आरम्भिक 05 पद

जायसी ग्रन्थावली - सम्पा० रामचन्द्र शुक्ल, पदमावत - नागमती वियोग खण्ड।

इकाई- 03. पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, पृथ्वीराज रासो का महाकाव्यत्व, पृथ्वीराज रासो का काव्य-सौष्ठव, पृथ्वीराज रासो की भाषा।

विद्यापति पदावली में श्रृंगार एवं भक्ति, विद्यापति पदावली का वैशिष्ट्य, विद्यापति की गीति योजना, विद्यापति पदावली की भाषा।

इकाई- 04. कबीर का समाज-दर्शन, कबीर की भक्ति-भावना, कबीर का रहस्यवाद।

पदमावत का महाकाव्यत्व, जायसी की प्रेम-भावना, नागमती का विरह वर्णन, जायसी का रहस्यवाद।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. चंदबरदायी और उनका काव्य , डॉ. विपिन बिहारी त्रिवेदी, प्रकाशक: हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
2. विद्यापति, डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित, प्रकाशक: साहित्य प्रकाशन, ग्वालियर
3. कबीर की विचारधारा, गोविन्द त्रिगुणायत, प्रकाशक: साहित्य निकेतन, कानपुर
4. जायसी ग्रन्थावली, सम्पा. रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक: नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
5. जायसी और उनका काव्य, डॉ. शिव सहाय पाठक, प्रकाशक: ग्रन्थम, कानपुर
6. संदेश रासक (समीक्षा भाग), सम्पा. हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: हिंदी साहित्य की इतिहास

Course Code: MHL-26 C 302

Course Type: CORE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम

CO1: हिंदी साहित्य की इतिहास लेखन परम्परा को समझ पाएंगे।

CO2: आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों के साहित्यिक उद्देश्य एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन कर पाएंगे।

CO3: आदिकालीन एवं मध्यकालीन प्रमुख काव्यधाराओं का अनुशीलन कर सकेंगे।

CO4: आधुनिक काल के प्रमुख युग/कालखंडों, कवियों एवं उनकी रचनाधर्मिता को समझ सकेंगे।

CO5: गद्य की प्रमुख विधाओं के स्वरूपगत अध्ययन के साथ ही, उनकी विकास यात्रा को लेकर विद्यार्थियों की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई- 1

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिंदी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

आदिकाल की सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक परिस्थितियां तथा प्रमुख काव्यगत प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं, जैन, सिद्ध और नाथ साहित्य का परिचय, रासो काव्य परम्परा, लौकिक साहित्य।

इकाई- 2

भक्तिकाल की प्रमुख परिस्थितियां, भक्तिकाल के उदय के प्रमुख कारण और भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी प्रमुख रचनाएं, सगुण एवं निर्गुण भक्तिकाव्य का स्वरूप और प्रमुख काव्यगत विशेषताएं, भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं और उनकी विशेषताएं।

इकाई- 3

रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियां, रीतिकाल के प्रमुख कवि और प्रमुख रचनाएं, रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं एवं उनकी काव्यगत प्रवृत्तियाँ। भारतीय नवजागरण, भारतेंदु युग एवं द्विवेदी युग के प्रमुख कवि, प्रमुख रचनाएं और काव्यगत प्रवृत्तियाँ।

इकाई- 4

छायावाद के प्रमुख कवि और प्रमुख रचनाएं, छायावाद की प्रमुख विशेषताएं, प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और प्रमुख रचनाएं, प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएं, प्रयोगवाद के प्रमुख कवि और प्रमुख रचनाएं, प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताएं, नई कविता स्वरूप और प्रवृत्तियां।

हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (उपन्यास, कहानी, नाटक एवं आलोचना) का उद्भव और विकास, अन्य विधाओं (निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज और यात्रावृत्तांत) का परिचयात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2. हिंदी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ. नगेन्द्र, सह-संपादक डॉ. हरदयाल, मयूर बुक्स, दिल्ली

3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़

5. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैक स्वान, हैदराबाद, तेलंगाना

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: भारतीय साहित्य

Course Code: MHL-26 E 301

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ।

CO2: भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त मूल्यों से परिचय।

CO3: भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय एकता के सूत्रों का बोध।

CO4: हिंदी साहित्य की हिंदी से इतर भाषाओं के साहित्य की तुलना।

CO5: भारतीय साहित्य की विविध भाषाओं, संस्कृतियों एवं परंपराओं के पारस्परिक संबंधों का अध्ययन।

नोट: इकाई-2 से व्याख्या एवं लेखक परिचय तथा इकाई-1,3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई -1. भारतीय साहित्य और भारतीयता-

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीयता का समाजशास्त्र, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

इकाई-2.

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रंथ-

01. अग्निगर्भ (बंगला उपन्यास), महाश्वेता देवी। अनुवादक- डॉ. साधना अग्रवाल

02. घासीराम कोतवाल (मराठी नाटक), विजय तेन्दुलकर। अनुवादक- वसंत देव,

इकाई- 03. बंगला साहित्य का इतिहास-

चैतन्य पूर्व वैष्णव साहित्य (10-15वीं शती), चैतन्य वैष्णव युग (16वीं शती), गौड़ीय वैष्णव पदावली, चैतन्य जीवनी, चैतन्योत्तर युग (17वीं शती), फोर्ट विलियम कॉलेज, राजाराम मोहन राय, ईश्वचन्द्र विद्यासागर, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय।

इकाई-04. बंगला और हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-

बंगला वैष्णव काव्य परम्परा और हिन्दी भक्तिकाल, बंगला-हिन्दी नाथ साहित्य, बंकिमचन्द्र और भारतेन्दु, नजरूल इस्लाम और निराला।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेंद्र, प्रकाशक: हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली)
2. भारतीय साहित्य की अवधारणा, डॉ. राजेंद्र मिश्र, प्रकाशक: वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन, इंद्रनाथ चौधरी, प्रकाशक: भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, रामविलास शर्मा, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. संस्कृति के चार अध्याय, प्रकाशक: लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
6. अग्निगर्भ, महाश्वेता देवी, प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. घासीराम कोतवाल, विजय तेन्दुलकर, प्रकाशक: साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
8. आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रकाशक: वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

9. मराठी का आधुनिक साहित्य, मि. सी. देशपांडे, प्रकाशक: साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
10. बंगला साहित्य का इतिहास, सुकुमार सेन, प्रकाशक: साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
11. बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय: व्यक्तित्व और कृतित्व, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
12. निराला और काजी नजरूल इस्लाम का तुलनात्मक अध्ययन, प्रकाशक: वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. वसंत देव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. डॉ. साधना अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: उत्तराखंड के प्रमुख हिंदी साहित्यकार

Course Code: MHL-26 E 302

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:

CO1: विद्यार्थी हिंदी साहित्य लेखन में उत्तराखंड के प्रमुख साहित्यकारों के योगदान को समझ सकेंगे।

CO2: उपन्यासकार के रूप में शिवानी की उपन्यास कला का अनुशीलन कर पाएंगे।

CO3: हिंदी निबंध के विकास में पीतांबर दत्त बड़थ्वाल के अवदान का मूल्यांकन कर पाएंगे।

CO4: विद्यार्थियों में शैलेश मटियानी और शेखर जोशी की कहानियों को लेकर आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।

CO5: उत्तराखंड के प्रमुख हिंदी कवियों के काव्य की मूल चेतना को समझ सकेंगे।

इकाई-1, 2 से व्याख्या एवं लेखक, कवि परिचय तथा इकाई- 3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई – 1 (व्याख्या)

उपन्यास

कृष्णकली - शिवानी

कहानी

किं करोमि जनार्दन - शेखर जोशी

पुरखा - शैलेश मटियानी

इकाई – 2 (व्याख्या)

निबंध (पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबंध संपादक गोविंद चातक)

संत

कबीर और कबीर पंथ

कविता

ग्राम श्री- सुमित्रानंदन पंत, पहाड़ पर लालटेन - मंगलेश डबराल, उस दिन का जंगल- लीलाधर जगूड़ी, हमारा समाज - वीरेन डंगवाल

इकाई – 3 (आलोचनात्मक प्रश्न)

कहानीकारों की कहानी कला, कहानी में चित्रित मूल समस्या एवं कहानी की समीक्षा। कृष्णकली उपन्यास में चित्रित नारी संबंधी समस्याएं, उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र - चित्रण और उपन्यास का शिल्पगत वैशिष्ट्य।

इकाई – 4 पीतांबर दत्त बड़थ्वाल की निबंध कला एवं निबंधों का समीक्षागत अध्ययन, कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, ग्राम श्री कविता में वर्णित प्रकृति चित्रण एवं भाषा शैली, पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं का मूल प्रतिपाद्य और शिल्पगत वैशिष्ट्य।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. कृष्णकली, शिवानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. कोसी का घटवार, शेखर जोशी, नया साहित्य प्रकाशन, प्रयागराज
3. सुहागिनी तथा अन्य कहानियां, शैलेश मटियानी, अनुभूति प्रकाशन, दिल्ली
4. ग्राम्या, सुमित्रानंदन पंत, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
5. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबंध संपादक गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी निबंधकार, प्रो. जयनाथ नलिन, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
7. बची हुई पृथ्वी, लीलाधर जगूड़ी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. दुश्चक्र में स्रष्टा, वीरेन डंगवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. पहाड़ पर लालटेन, मंगलेश डबराल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: नाटक एवं रंगमंच

Course Code: MHL-26 E 303

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:

CO1: हिंदी नाटक एवं रंगमंच की वैचारिक एवं शिल्पगत समझ विकसित कर सकेंगे।

CO2: नाट्य-पाठ और मंचन के अंतर्संबंध को समझ सकेंगे।

CO3: छात्रों में अभिनय कौशल व नाट्य लेखन की प्रारम्भिक समझ विकसित होगी।

CO4: लोक एवं आधुनिक लोक परम्पराओं की तुलनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ सकेगी।

CO5: डिजिटल एवं अन्य रंगमंच की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

इकाई-1, से व्याख्या एवं लेखक परिचय तथा इकाई-2,3,4, से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई-01: व्याख्या-
स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद, आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश, एक और द्रोणाचार्य - शंकर शेष।

इकाई- 02 पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटककारों का परिचय, नाटकों की समीक्षा एवं शिल्प विधान, नाटक एवं रंगमंच का सहसंबंध, नाटक के पात्रों का चरित्रांकन।

इकाई-03 भारतीय नाट्य परम्परा एवं आधुनिक दृष्टि, हिंदी नाटक विकास यात्रा (भारतेन्दु, प्रसाद एवं स्वातंत्र्योत्तर काल), नाटक एवं समाज का संबंध, रंगमंच की मूल अवधारणाएं (मंच, प्रकाश, ध्वनि, वेशभूषा, रंग-संकेत)।

इकाई- 04 लोक रंगमंच की अवधारणा एवं विशेषताएं, हिंदी क्षेत्र की प्रमुख लोकनाट्य परम्पराएं रामलीला, रासलीला, नौटंकी, स्वांग, लोक भाषा एवं दृश्य श्रव्य विधान, रंगमंच एवं मीडिया संस्कृति, व्यवहारिक।

संदर्भ ग्रन्थ

1. नाट्यशास्त्र, आचार्य भरत मुनि चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
2.रंगमंच और नाटक की भूमिका, डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3.प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. जगन्नाथ शर्मा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मोहन राकेश के नाटक, गिरीश रस्तोगी लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिंदी नाटक उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस,कश्मीरी गेट, दिल्ली।
6.नाटक कथारंग परिकल्पना, गिरीश रस्तोगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक, जगदीश चंद्र जोशी, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा।
8. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: कथेतर हिंदी गद्य साहित्य

Course Code: MHL-26 E 304

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:

CO1: कथेतर गद्य की विविध विधाओं को जान सकेंगे।

CO2: कथेतर गद्य में निर्मित समाज और रचनाकार के अनुभव का आंकलन करने में सक्षम होंगे।

CO3: कथेतर गद्य की वैचारिकी को समझ सकेंगे।

CO4: भाषिक संरचना एवं शिल्प विधान को समझ सकेंगे।

CO5: आलोचनात्मक शोध परक एवं रचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित कर सकेंगे।

इकाई-1,2 से व्याख्या एवं लेखक परिचय तथा इकाई-3, 4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई - 01 निबंध: पाठ एवं व्याख्या

नाखून क्यों बढ़ते हैं - हजारी प्रसाद द्विवेदी, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- विद्यानिवास मिश्र, उत्तर फाल्गुनी के आस-पास-कुबेरनाथ राय, संस्कृति और सौंदर्य-नामवर सिंह

इकाई - 02. आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण: पाठ एवं व्याख्या, कल्याण मार्ग का पथिक - स्वामी श्रद्धानंद, प्रेमचंद घर में- शिवरानी देवी, मेरा परिवार-महादेवी वर्मा

इकाई -03. व्यक्तित्व और वैचारिक आधार, पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधकारों का परिचय, निबंधकारों की निबंध कला, भाषा एवं शैली, निबंधों की समीक्षा, अन्य कथेत्तर विधाओं का सामान्य परिचय (यात्रा वृतान्त, साक्षात्कार, रिपोर्ताज)

इकाई -04. अनुभव, यथार्थ और अभिव्यक्ति, पाठ्यक्रम में निर्धारित जीवनी में व्याप्त जीवन और संघर्ष, आत्मकथा में व्यक्तित्व एवं दर्शन, मेरा परिवार संस्मरण में अनुभव और यथार्थ, संस्मरण: पशु पक्षियों का चरित्रांकन व सारांश

संदर्भ ग्रन्थ

1. प्रेमचंद: घर में पुस्तक के प्रकाशक-,सरस्वती प्रेस (बनारस)
2. मेरे राम का मुकुट, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. नाखून क्यों बढ़ते हैं, (कल्पलता) प्रकाशन ज्ञान मंडल लिमिटेड, बनारस
4. उत्तर फाल्गुनी के आस -पास (विषाद योग) निबंध संग्रह नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. संस्कृति और सौंदर्य निबंध, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
6. निबंधकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉक्टर विजय बहादुर सिंह, नेशनल बुक सेंटर, दिल्ली
7. कल्याण मार्ग का पथिक, गुरुकुल कांगड़ी शोध संस्थान, हरिद्वार
8. मेरा परिवार, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी निबंध का विकास, नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
10. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी आत्मकथा साहित्य, विश्व बंधु राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हिंदी संस्मरण साहित्य स्वरूप और विकास, सुरेश सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. समकालीन हिंदी गद्य विमर्श मैनेजर पांडे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: अनुदित कथा साहित्य

Course Code: MHL-26 E 305

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:

CO1: विश्व साहित्य की अनुदित रचनाओं के कथानक, मूल संवेदना और कथा-शिल्प को समझकर उनकी व्याख्या कर सकेंगे।

CO2: विभिन्न देशों की तत्कालीन परिस्थितियों का भारतीय संदर्भ में तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।

CO3: रचनाओं के मनोवैज्ञानिक अंतर्द्वंद्वों का समकालीन मानव व्यवहार और सामाजिक समस्याओं के साथ सह-संबंध स्थापित कर सकेंगे।

CO4: रचनाओं में निहित 'वैश्विक जीवन मूल्यों' (जैसे- अदम्य जिजीविषा, त्याग और प्रेम) का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO5: अनुवाद की सीमाओं को समझते हुए, अनुदित साहित्य की समीक्षा हेतु अपनी एक स्वतंत्र व मौलिक आलोचनात्मक दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे।

इकाई 1: पहला अध्यापक (चिंगीज़ आइत्मातोव)

निर्धारित पाठ: पहला अध्यापक (लघु उपन्यास)

सोवियत कालीन समाज में शिक्षा का प्रसार और वैचारिक क्रांति।

रूढ़िवादिता बनाम आधुनिक प्रगतिशील चेतना।

गुरु-शिष्य संबंध, आत्मोत्सर्ग और पात्रों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण।

इकाई 2: 'इवान इलीच की मृत्यु' (लियो टॉल्सटॉय)

निर्धारित पाठ: हिन्दी अनुवाद 'मरघट की ओर' (लघु उपन्यास)

टॉल्सटॉय की वर्णन-शैली और मध्यवर्गीय जीवन की विडंबनाएँ।

मृत्युबोध, एकाकीपन और जीवन की सार्थकता का अन्वेषण।

तत्कालीन रूसी समाज और नैतिक मूल्यों का द्वंद्व।

इकाई 3: 'बूढ़ा आदमी और समुद्र' (अर्नेस्ट हेमिंग्वे)

निर्धारित पाठ: बूढ़ा आदमी और समुद्र (लघु उपन्यास)

हेमिंग्वे की यथार्थवादी शैली और संक्षिप्तता।

अस्तित्ववाद, प्रकृति और मनुष्य के बीच का शाश्वत संघर्ष।

'मनुष्य नष्ट हो सकता है, पराजित नहीं'- अदम्य साहस और जिजीविषा का विश्लेषण।

इकाई 4: प्रतिनिधि विश्व कहानियाँ

निर्धारित कहानियाँ:

'गिरगिट' (एंटन चेखव): व्यवस्था की अवसरवादिता और प्रशासनिक खोखलेपन पर तीखा व्यंग्य।

'हार' (गाय द मोपासां): मध्यमवर्गीय प्रदर्शन-प्रियता, महत्त्वाकांक्षा और नियति की त्रासदी।

'अंतिम पत्ती' (ओ. हेनरी): मानवीय त्याग, आशावाद और कला का जीवनरक्षक स्वरूप।

संदर्भ ग्रन्थ

1. लियो टॉल्सटॉय, मरघट की ओर,अंजलि प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. चिंगिज़ ऐतमातोव, पहला अध्यापक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अर्नेस्ट हेमिंग्वे, बूढ़ा आदमी और समुद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एंटन चेखव, चेखव की दुनिया (कथा संकलन), किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. गाय द मोपासां, मोपासां की कहानियाँ, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

6. ओ. हेनरी, ओ. हेनरी की श्रेष्ठ कहानियाँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. डॉ. बच्चन सिंह, विश्व साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. निर्मला जैन, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. कमल किशोर गोयनका (संपादक), प्रतिनिधि विश्व कहानियाँ, डायमंड पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. राजेंद्र यादव, कहानी: स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. डॉ. बच्चन सिंह, विश्व साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. निर्मला जैन, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: संचार माध्यमों के लिए लेखन

Course Code: MHL-26 E 306

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:

CO1: संचार माध्यमों (पारंपरिक व नव-माध्यम) के स्वरूप, इतिहास और भाषाई चुनौतियों की व्याख्या कर सकेंगे।

CO2: रेडियो, टीवी और पॉडकास्ट की विभिन्न विधाओं के लिए मानक स्क्रिप्ट लिख सकेंगे।

CO3: साहित्यिक विधाओं के दृश्य-श्रव्य रूपांतरण की प्रविधि का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO4: नव-माध्यमों (वेब/सोशल मीडिया) और विज्ञापनों के लिए प्रभावी कंटेंट का निर्माण कर सकेंगे।

CO5: मीडिया सामग्री (समाचार, विज्ञापन, डिजिटल कंटेंट) की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई-1

विभिन्न संचार माध्यम और लेखन का स्वरूप, उद्देश्य और प्रमुख प्रकार। हिन्दी संचार माध्यमों (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल) का इतिहास। जनसंचार माध्यमों की भाषा और आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के युग में हिन्दी के समक्ष चुनौतियाँ।

इकाई-2

रेडियो और ऑडियो लेखन: रेडियो नाटक, धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, संगीत रूपक और डॉक्यूमेंट्री फीचर। रंग नाटक, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अन्तर। पॉडकास्ट (Podcast) की अवधारणा और स्क्रिप्ट लेखन।

इकाई-3

दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन: टी.वी. नाटक, टेली फिल्म, वृत्तचित्र स्क्रिप्ट लेखन. टी. वी. विज्ञापन लेखन एवं विशेषताएं, टी.वी. समाचारों के संकलन, संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

इकाई-4

नव-माध्यम और विज्ञापन लेखन: नव-माध्यम (New Media) की प्रकृति। वेब पत्रकारिता, ब्लॉग तथा सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के लिए लेखन। संचार माध्यमों में विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि और डिजिटल विज्ञापन का स्वरूप।

संदर्भ ग्रन्थ

1. न्यू मीडिया: संचार और तकनीक, शालिनी जोशी एवं शिवप्रसाद जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. पटकथा लेखन: एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कथा-पटकथा, मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
4. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली।
5. जनसंचार माध्यमों का लेखन, डॉ. कृष्णकुमार रत्तू, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
6. विज्ञापन की दुनिया, डॉ. संजीव भानावत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।

<u>**DETAILED SYLLABUS**</u>

Title of the Course: हिन्दी भाषा एवं भाषा प्रौद्योगिकी

Course Code: MHL-26 E 307

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: विद्यार्थी हिन्दी भाषा के इतिहास एवं भाषिक स्वरूप को समझ सकेंगे।
CO2: विद्यार्थी भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप एवं महत्व को समझ सकेंगे।
CO3: भाषा प्रौद्योगिकी और भाषाविज्ञान के अंतर्संबंध को लेकर विद्यार्थियो की समझ विकसित होगी।
CO4: मशीनी अनुवाद और उससे जुड़े महत्वपूर्ण नवाचारों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
CO5: कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ए.आई.) उसके अनुप्रयोग और हिन्दी भाषा को लेकर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी।
CO6: पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी भाषा प्रौद्योगिकी के युग में हिन्दी भाषा की स्थिति का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CO7: विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता के विकास के साथ ही डिजिटल मीडिया एवं सोशल मीडिया में रोजगारपरक दृष्टि का विकास होगा।

इकाई-1

हिन्दी भाषा का विकास एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था - खण्ड्य स्वनिम और खंडयेतर स्वनिम, हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ- लिंग, वचन, काल और कारक व्यवस्था, हिन्दी की शब्द रचना (उपसर्ग, प्रत्यय और समास), हिन्दी वाक्य संरचना, वाक्य के अंग, निकटतम अवयव, पदक्रम और अन्विति।

इकाई -2

भाषा प्रौद्योगिकी का परिचय, कंप्यूटर का सामान्य परिचय एवं प्रमुख घटक, कंप्यूटर और हिन्दी भाषा, संभावनाएं एवं चुनौतियाँ, यूनिकोड टेक्नोलॉजी का अर्थ, विशेषताएं एवं आवश्यकता, हिन्दी के विविध टाइपिंग फ़ॉन्ट, हिन्दी टाइपिंग के प्रमुख की-बोर्ड।

इकाई -3

अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान बनाम सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान के अनुप्रयोग क्षेत्र, संगणकीय भाषाविज्ञान की अवधारणा एवं विषयवस्तु, प्राकृतिक भाषा संसाधन (natural language processing, NLP) प्राकृतिक भाषा बोधन (natural language understanding, NLU), संगणकीय भाषाविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा अभियांत्रिकी में अंतर्संबंध

इकाई -4

मशीनी अनुवाद, मशीनी अनुवाद की प्रमुख पद्धतियाँ, मशीनी अनुवाद और हिन्दी भाषा, मशीनी अनुवाद के प्रमुख अनुप्रयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ए.आई.) और हिन्दी भाषा, हिन्दी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रमुख अनुप्रयोग

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

2. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. कंप्यूटर और हिंदी, प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. मशीनी अनुवाद, सुभाष चंद्र, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी देवनागरी लिपि और यूनिकोड, जगदीप सिंह दांगी, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
7. हिंदी का संगणकीय व्याकरण, धनजी प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: हिंदी आलोचना
Course Code: MHL-26 C 401
Course Type: Core
Total Credits: 04
पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: आलोचना के स्वरूप व ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे।

CO2: आलोचक का परिचय एवं आलोचना के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान अर्जित करेंगे।

CO3: समीक्षा की विचारधाराओं से अवगत होंगे।

CO4: आलोचना पद्धतियों का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO5: आलोचना में व्यावहारिक व शोधपरक पक्ष से परिचित होंगे।

CO6: समकालीन विचार-विमर्शों की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।

इकाई -1. हिंदी आलोचना का स्वरूप व विकास, आलोचना अर्थ,परिभाषा व स्वरूप, हिंदी आलोचना का उद्भव व विकास, हिंदी आलोचना का वर्तमान स्वरूप, आलोचना व समीक्षा में अंतर

इकाई-2. हिंदी आलोचना के प्रकार, सैद्धान्तिक आलोचना, निर्णयात्मक आलोचना, प्रभावात्मक आलोचना, विश्लेषणात्मक आलोचना

इकाई-3. हिंदी के प्रमुख आलोचक व उनकी आलोचना दृष्टि,आचार्य रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी:आधुनिक साहित्य- नई मान्यताएं, डॉ. नगेन्द्र: मेरी साहित्यिक मान्यताएं, डॉ. रामविलास शर्मा:तुलसी साहित्य में सामंत विरोधी मूल्य

इकाई-4. आलोचना का व्यावहारिक व शोध परक पक्ष, आलोचक के प्रमुख गुण, आलोचना पाठ व विश्लेषण, शोध आलेख लेखन व संदर्भ शैली, पुस्तक व साहित्य समीक्षा

संदर्भ ग्रन्थ

1. हिंदी आलोचना का विकास, नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज, शब्द, डॉ. बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल, शिवकुमार मिश्र ,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ, निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आलोचना की सामाजिकता, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. चिंतामणि (भाग 1), आचार्य रामचंद्र शुक्ल ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
9. हजारी प्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली (खंड 8), डॉ मुकुंद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. परंपरा का मूल्यांकन, डॉ रामविलास शर्मा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. आलोचक की आस्था, डॉ नगेंद्र ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: MHL-26 C 402
Course Type: CORE
Total Credits: 04
पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्रीय परम्परा और विकास को समझ सकेंगे।

CO2: रस निष्पति एवं विभिन्न आचार्यों द्वारा दी गई उसकी व्याख्या को समझ सकेंगे।

CO3: भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों के स्वरूप एवं साहित्यिक महत्व को समझ सकेंगे।

CO4: विद्यार्थियों में काव्यशास्त्रीय आलोचनात्मक दृष्टि का विकास होगा।

CO5: पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा और प्रमुख सिद्धांतों का अध्ययन बोध होगा।

CO6: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र को लेकर तुलनात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा।

इकाई -1 भारतीय काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्रीय परम्परा का विकास एवं भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय, रस का अर्थ- स्वरूप, रस निष्पति एवं साधारणीकरण, रस सूत्र के प्रमुख व्याख्याता, भट्ट लोल्लट, आचार्य शंकुक, भट्टनायक और अभिनव गुप्त, डॉ. श्यामसुंदर दास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, डॉ. नगेन्द्र।

इकाई - 2

अलंकार का स्वरूप, अलंकार के प्रमुख भेद, काव्य में अलंकारों का महत्व, रीति का अर्थ एवं स्वरूप, रीति के प्रमुख भेद, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि के प्रमुख भेद एवं ध्वनि संप्रदाय का महत्व, वक्रोक्ति का अर्थ एवं परम्परा, वक्रोक्ति के प्रमुख भेद, वक्रोक्ति संप्रदाय और अभिव्यंजनावाद, औचित्य का अर्थ एवं स्वरूप, औचित्य के प्रमुख भेद, काव्य में औचित्य महत्व।

इकाई - 3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रमुख सिद्धांत

पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पृष्ठभूमि एवं परम्परा, प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत, अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत, लांजाइनस का औदात्य सिद्धांत, होरेस का औचित्य सिद्धांत, क्रोचे का अभिव्यंजना सिद्धांत, अभिव्यंजना और वक्रोक्ति, इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत, आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत।

इकाई - 4

प्रमुख वाद

अस्तित्ववाद, यथार्थवाद और जादुई यथार्थवाद, बिम्बवाद, मनोविश्लेषणवाद, स्वच्छंदतावाद और प्रकृतिवाद।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, संपादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. साहित्यिक निबंध, डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद), उत्तरप्रदेश
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र: नई व्याख्या, डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन लिमिटेड, आगरा
6. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज (इलाहाबाद), उत्तरप्रदेश
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, डॉ. कृष्णदेव शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: कबीरदास
Course Code: MHL-26 E 401
Course Type: ELECTIVE
Total Credits: 04
पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: कबीरदास के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा युगीन परिस्थितियों को समझ सकेंगे।
CO2: कबीर के काव्य में निहित भक्ति, सामाजिक चेतना एवं मानवतावादी दृष्टि का विश्लेषण कर सकेंगे।
CO3: कबीर की भाषा, शैली एवं काव्य-सौन्दर्य के विविध पक्षों का अध्ययन कर सकेंगे।
CO4: संत परम्परा एवं निर्गुण भक्ति आन्दोलन में कबीर के योगदान को समझ सकेंगे।
CO5: कबीर के सामाजिक एवं दार्शनिक विचारों की समकालीन प्रासंगिकता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
नोट: इकाई-1 से व्याख्या तथा इकाई-2,3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई–1 : व्याख्या हेतु:-

कबीर ग्रन्थावली- (सम्पादक- श्याम सुंदर दास पद संख्या- 65-90)

इकाई–2 : निर्गुण भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि, संत काव्य का वैचारिक आधार: संतकाव्य की परंपरा: संतकाव्य का सामाजिक प्रभाव: संतकाव्य की प्रासंगिकता, कबीर का जीवन और साहित्य: कबीर के आलोचक।

इकाई–3 : कबीर की भक्ति भावना, कबीर का समाज दर्शन, कबीर का सामाजिक विद्रोह, कबीर के रामः दृश्य-श्रव्य माध्यमों में कबीर, कबीर: समाज सुधाक, कबीर का दर्शन एवं जीवन-दृष्टि, कबीर के राम और तुलसी के राम में अंतर।

इकाई–4 : कबीर का परवर्ती साहित्य पर प्रभावः कबीर के काव्य का अभिव्यक्तिगत पक्ष-छद, अलंकार उलटबाँसी और उसका अर्थ-संधान, कबीर की भाषा की विशेषताएँ- सधुक्कड़ी, लोकभाषा एवं जनभाषा का स्वरूप। आधुनिक युग में कबीर का स्थान।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. कबीर ग्रंथावली, सम्पा. श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी) प्रकाशन वर्ष: 1928
2. कबीर साहित्य की परख, परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, इलाहाबाद / लोकभारती प्रकाशन प्रकाशन वर्ष: 1954
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास (लेखक: आचार्य रामचंद्र शुक्ल), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी), प्रकाशन वर्ष: 1929
4. कबीर और उनका काव्य, भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन / लिपि प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष: 1968
5. निर्गुण काव्यधारा और कबीर, रामकुमार वर्मा, प्रकाशक: साहित्य भवन, इलाहाबाद, प्रकाशन वर्ष: 1955
6. कबीर : एक नई दृष्टि, धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रकाशन वर्ष: 1997
7. संत साहित्य की रूपरेखा, परशुराम चतुर्वेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद / विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, प्रकाशन वर्ष: 1967
8. कबीर के सामाजिक विचार, केदारनाथ द्विवेदी, प्रकाशक: विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, प्रकाशन वर्ष: 1985

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: आदिवासी विमर्श

Course Code: MHL-26 E 402
Course Type: ELECTIVE
Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: आदिवासी विमर्श के अर्थ, स्वरूप और उसके सामाजिक महत्व को समझ सकेंगे।
CO2: आदिवासी आंदोलनों तथा जल, जंगल और जमीन से जुड़े संघर्षों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
CO3: आदिवासी समाज के अधिकारों, कानूनों और प्रमुख समस्याओं को जान सकेंगे।
CO4: संजीव के धार तथा रणेंद्र के ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यासों के माध्यम से आदिवासी जीवन और विस्थापन की समस्याओं को समझ सकेंगे।
CO5: डॉ. रोज केरकेट्टा के नाटक *सूर्योदय* तथा हरिराम मीणा, मेहरुन्निसा परवेज और एलिस एक्का की कहानियों के माध्यम से आदिवासी समाज की संवेदनाओं और संघर्षों को समझ सकेंगे।
CO6: निर्मला पुतुल तथा अनुज लुगुन की कविताओं के अध्ययन से आदिवासी अस्मिता, स्त्री चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
नोट: इकाई-2, 3, 4 से व्याख्या एवं लेखक, कवि परिचय एवं इकाई-01 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई-1. आदिवासी विमर्श: अर्थ व स्वरूप, आदिवासी विमर्श की वैचारिक पृष्ठभूमि, आदिवासी आंदोलन: साम्राज्यवाद और प्रतिरोध, आदिवासियों संबंधी कानून, आदिवासी विमर्श की साहित्यिक स्थापनाएँ, आदिवासी विमर्श का विकास, आदिवासी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां, आदिवासी विमर्श और जल, जंगल, जमीन के मुद्दे।

इकाई- 2. उपन्यास-

संजीव- धार, रणेंद्र- ग्लोबल गाँव के देवता।

इकाई- 3. नाटक-

डॉ. रोज केरकेट्टा- सूर्योदय।

इकाई- 4. कहानी-

हरिराम मीणा- अमली, मेहरुन्निसा परवेज- कानीबाट, एलिस एक्का- धरती लहलहाएगी, झालो नाचेगी-गाएगी।

कविता-

निर्मला पुतुल- नगाड़े की तरह बजते शब्द, अनुज लुगुन- उलगुलान की औरतें।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. माधव सोनटके एवं संजय राठौर, भारतीय साहित्य और आदिवासी विमर्श, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
2. डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा, आदिवासी विकास : एक सैद्धांतिक विवेचन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
3. रमणिका गुप्ता (सम्पादक), आदिवासी भाषा और साहित्य, रमणिका फाउंडेशन, नई दिल्ली, 2005

4. संजीव, धार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990
5. रणेंद्र, ग्लोबल गाँव के देवता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2009
6. डॉ. रोज केरकेट्टा, सूर्योदय, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2012
7. हरिराम मीणा, अमली (कहानी), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
8. मेहरुन्निसा परवेज, कानीबाट (कहानी), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2001
9. एलिस एक्का, धरती लहलहाएगी एवं झालो नाचेगी-गाएगी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
10. निर्मला पुतुल, नगाड़े की तरह बजते शब्द, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2004।
11. अनुज लुगुन, उलगुलान की औरतें, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2013

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: हिंदी के प्रमुख निबंधकार

Course Code: MHL-26 E 403
Course Type: ELECTIVE
Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: विद्यार्थी निबंध के स्वरूप, परम्परा और विकास को समझ सकेंगे।

CO2: निबंधकारों की निबंधकला का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO3: हिंदी साहित्य में निबंधकारों के अवदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।

CO4: विद्यार्थियों में आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास होगा।

CO5: ललित निबंध एवं व्यंग्य लेखन को लेकर विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।

CO6: विद्यार्थियों में निबंध विधा को लेकर शोध संबंधित अभिरुचि का विकास होगा।

नोट: इकाई-2, 3, 4 से व्याख्या एवं लेखक परिचय और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें तथा इकाई-01 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई -1

निबंध का स्वरूप और हिंदी निबंध की विकास यात्रा, निबंध के प्रमुख भेद, निबंध की प्रमुख शैलियाँ

इकाई- 2 निर्धारित निबंध-

शुक्ल पूर्व युग के निबंधकार

दिल्ली दरबार दर्पण-भारतेंदु हरिश्चंद्र, साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है - बालकृष्ण भट्ट, एक दुराशा - बालमुकुंद गुप्त।

शुक्ल युग के निबंधकार

लज्जा और ग्लानि - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, भारतीय संस्कृति - बाबू गुलाबराय, यथार्थ और आदर्श - महादेवी वर्मा।

इकाई- 3

निर्धारित निबंध-

शुक्लोत्तर युग के निबंधकार

प्रसाद जी की 'कामायनी' - हजारीप्रसाद द्विवेदी, आदर्श और यथार्थ - आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी, अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेन्द्र, छायावाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- डॉ. रामविलास शर्मा।

ललित निबंधकार एवं व्यंग्य लेखन (आधुनिक/समकालीन)

उठ जाग मुसाफ़िर - विवेकी राय, घने नीम तरु तले - विद्यानिवास मिश्र, आंगन में बैंगन - हरिशंकर परसाई, जीप पर सवार इल्लियां-शरद जोशी।

इकाई-4

चयनित निबंधकारों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, निबंधकारों की निबंध कला, निबंधों का समीक्षागत अध्ययन, ललित निबंध का अर्थ एवं स्वरूप, समकालीन व्यंग्य लेखन एवं हरिशंकर परसाई।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भारतेंदु ग्रंथावली, तीसरा खंड, संकलनकर्ता तथा संपादक, ब्रजरत्नदास बी. ए., एल.एल. बी., काशी नागरी प्रचारिणी सभा
2. आधुनिक साहित्य, नंददुलारे बाजपेयी, भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
3. चिंतामणि, रामचंद्र शुक्ल, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग
4. विचार और वितर्क, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सुषमा साहित्य मंदिर, जवाहरगंज, जबलपुर
5. डॉ. नगेन्द्र के सर्वश्रेष्ठ निबंध, संपादक भारतभूषण अग्रवाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली
6. निबंधों की दुनिया: डॉ. रामविलास शर्मा, प्रधान संपादक निर्मला जैन, संपादक रामेश्वर राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. बाबू बालमुकुन्द कृत शिवशम्भु के चिट्ठे, संपादक, डॉ विजयेंद्र स्नातक, प्रकाशन : दिग्दर्शन चरण जैन, दिल्ली
8. उठ जाग मुसाफ़िर, विवेकी राय, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
9. पंडित विद्यानिवास मिश्र रचनावली -1, अभी-अभी हूं, अभी नहीं, संपादक दयानिधि, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
10. जीप पर सवार इल्लियां, शरद जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. ललित निबंध, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. निबंध, निलय, संपादक डॉ. सत्येंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: हिंदी की प्रमुख महिला कथाकार
Course Code: MHL-26 E 404
Course Type: ELECTIVE
Total Credits: 04
पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: विद्यार्थी हिंदी की प्रमुख महिला कथाकारों के साहित्य का विवेचन-विश्लेषण कर सकेंगे।
CO2: हिंदी साहित्य में महिला लेखन के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
CO3: कथा साहित्य का स्वरूपगत अध्ययन कर सकेंगे।
CO4: महिला कथाकारों के साहित्य लेखन के उद्देश्य को समझ सकेंगे।
CO5: महिला कथाकारों के कथा साहित्य के वैचारिक एवं संवेदनात्मक पक्ष को समझ सकेंगे।
CO6: कथा साहित्य का अध्ययन कर पात्रों के चरित्र- चित्रण का विश्लेषण करने की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई-1,2 से व्याख्या एवं लेखक परिचय तथा इकाई-3,4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई- 1 (व्याख्या)

उपन्यास

कठ गुलाब - मृदुला गर्ग

जिंदगीनामा - कृष्णा सोबती

कल्चर वल्चर - ममता कालिया

इकाई- 2 (व्याख्या)

कहानी

चिह्नार - मैत्रेयी पुष्पा

वापसी - उषा प्रियंवदा

जिनावर - चित्रा मुद्गल

कच्ची दीवारें - नासिरा शर्मा

इकाई- 3

पाठ्यक्रम में चयनित महिला कथाकारों का व्यक्तित्व-कृतित्व एवं वैचारिकी, पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों में चित्रित प्रमुख समस्याएं, उपन्यासों के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण, औपन्यासिक तत्वों के आधार पर उपन्यास की समीक्षा।

इकाई- 4

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों की कहानी कला, कहानी तत्वों के आधार पर कहानियों का समीक्षागत अध्ययन।

संदर्भ ग्रन्थ

1. कठ गुलाब, मृदुला गर्ग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. जिंदगीनामा, कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कल्चर वल्चर, ममता कालिया, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. चिह्नार कहानी संग्रह, मैत्रेयी पुष्पा, आर्य प्रकाशन मंडल, नई दिल्ली
5. मेरी प्रिय कहानियां, चित्रा मुद्गल, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
6. पत्थर गली कहानी संग्रह, नासिरा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रतिनिधि कहानियां : उषा प्रियंवदा, संपादन रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: हिन्दी साहित्य की वैचारिकी

Course Code: MHL-26 E 405

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: भारतीय चिंतन परम्परा की समझ विकसित कर सकेंगे।

CO2: हिंदी साहित्य के विचारपरक पक्ष को समझ सकेंगे।

CO3: आधुनिक विचारधाराओं के साहित्यिक प्रभाव को समझ सकेंगे।

CO4: साहित्य व सामाजिक परिवर्तन को जान सकेंगे।

CO5: समकालीन सामाजिक अभिव्यक्ति से परिचित होंगे।

CO6: साहित्य के नए विमर्शों का विश्लेषण कर सकेंगे।

CO7: वैचारिक दृष्टि से साहित्य के विश्लेषण की क्षमता का विकास कर सकेंगे।

इकाई -1.हिंदी-वैचारिक साहित्य की अवधारणा:. वैचारिक साहित्य स्वरूप व परिभाषा, भारतीय चिंतन परम्परा और हिंदी साहित्य: (वैदिक, उपनिषद, बौद्ध, जैन), भक्ति आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि (संत, सूफी एवं लोक-चेतना)

इकाई -2. आधुनिक भारतीय चिंतन: नवजागरण व समाज सुधार:, पुनर्जागरण: भारतेन्दु युग, लोक जागरण: द्विवेदी युग, ब्रह्म समाज का सुधार आन्दोलन, आर्य समाज का सुधारात्मक अवदान।

इकाई-3. आधुनिक विचारधारा और हिंदी साहित्य:, मार्क्सवादी विचारधारा का हिंदी साहित्य पर प्रभाव , अस्तित्ववाद और आधुनिक संवेदना, स्त्री चिंतन और हिंदी साहित्य, दलित चिंतन का हिंदी साहित्य।

इकाई-4. समकालीन वैचारिक प्रवृत्तियां:, पर्यावरण चेतना और हिंदी साहित्य, वैश्वीकरण, बाजारवाद और हिंदी , डिजिटल युग और वैचारिक अभिव्यक्ति, डिजिटल युग की साहित्यिक चुनौतियां।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ विनय कुमार पाठक, मित्तल एण्ड सन्स प्रकाशन, नई दिल्ली

2. भारतीय चिंतन परम्परा, के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

3. भक्ति काव्य की भूमिका, डॉ. प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

4. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिंदी-ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, बम्बई

5. लोक जागरण और हिंदी साहित्य, डॉ रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

6. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

7. स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य, क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

8. साहित्य और समाजशास्त्रीय दृष्टि, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9. सत्यार्थ प्रकाश, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, नई दिल्ली

10. भक्ति आन्दोलन के समाजिक आधार, गोपेश्वर सिंह,भारतीय प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

11. पर्यावरण प्रौद्योगिकी, महीप सिंह, शिवांक प्रकाशन, दिल्ली

12. जनसंचार माध्यम और हिंदी (संपादक- सुधीश पचौरी, अचला शर्मा), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

13. भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह, अनामिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली

14. मास मीडिया और समाज, मनोहर श्याम जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

15. पर्यावरण और समाज, रमेश शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: हिंदी पत्रकारिता

Course Code: MHL-26 E 406

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार तथा हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास एवं विकास को समझ सकेंगे।

CO2: समाचार लेखन, समाचार संकलन, सम्पादन, शीर्षकीकरण एवं पृष्ठ विन्यास की मूलभूत विधियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO3: सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार तथा खोजी समाचार लेखन की प्रक्रिया को समझते हुए लेखन कौशल विकसित कर सकेंगे।

CO4: प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट एवं मल्टीमीडिया पत्रकारिता की कार्यप्रणाली से परिचित हो सकेंगे।

CO5: प्रूफशोधन, पृष्ठ-सज्जा, फोटो पत्रकारिता तथा समाचार प्रस्तुति की तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करेंगे।

CO6: भारतीय संविधान, प्रेस संबंधी कानून, सूचना का अधिकार तथा लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका के प्रति जागरूकता विकसित करेंगे।

इकाई-1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, भारत में पत्रकारिता का आरम्भ, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम, सम्पादन कला के सामान्य सिद्धान्त।

इकाई-2. समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति, पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन - सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलो-अप) आदि की प्रविधि।

इकाई-3. न्यू मीडिया की पत्रकारिता - रेडियो, टी॰वी, वीडियो, न्यू मीडिया और इण्टरनेट,स्मार्टफोन आधारित पत्रकारिता। न्यू मीडिया प्रबंधन के प्रमुख आयाम- तकनीकी, विषयवस्तु और प्रसार।

इकाई-4. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार एवं मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता, प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता।

संदर्भ ग्रन्थ:

1. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 1969
2. विकास पत्रकारिता, राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, 1990
3. समाचार पत्र: मुद्रण और साजसज्जा, श्याम सुन्दर शर्मा, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1978
4. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन, सविता चड्ढा, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
5. समाचार फीचर, लेखन एवं सम्पादन कला, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1992
6. हिन्दी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप, शिवकुमार दुबे, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
7. सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
8. विधि पत्रकारिता, चिंता और चुनौती, पवन चौधरी, विधि सेवा, दिल्ली, 1993

ELECTIVE

DETAILED SYLLABUS

Title of the Course: सगुण भक्ति काव्य

Course Code: MHL-26 E 407

Course Type: ELECTIVE

Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम:-

CO1: सगुण भक्ति काव्य धारा को समझ सकेंगे।

CO2: सगुण भक्ति के रचनाकारों से परिचित होंगे।

CO3: रचनाकारों की भाषा व शैली को जान सकेंगे।

CO4: भक्ति के विभिन्न स्वरूपों को समझ सकेंगे।

CO5: सगुण साहित्य की विशेषताओं से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम

नोट: इकाई-1, 2 से व्याख्या एवं कवि परिचय और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगें।

इकाई-1

भ्रमरगीत सार से पद संख्या - 8, 13, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 34, 37

रामचरितमानस - उत्तरकाण्ड से दोहा संख्या 36 से 74 तक तथा 116 से 128 तक

विनय पत्रिका से पद संख्या 34, 73, 90, 105, 119, 162 ,163, 166, 138, 223

इकाई -2

मीराँबाई की सम्पूर्ण पदावली से पद संख्या -1, 3, 5, 14, 18, 19, 22, 34, 36, 54

रसखान रचनावली से सुजान रसखान (आरम्भ के 10 छंद)

इकाई-3

सूरदास का व्यक्तित्व व कृतित्व, भ्रमरगीत की विशेषताएँ, गोपियों का विरह वर्णन, गोपियों की वाग्विदग्धता, भ्रमरगीत का काव्य पक्ष गोस्वामी तुलसीदास का व्यक्तित्व व कृतित्व, रामचरितमानस की विशेषताएँ, तुलसीदास की भक्ति भावना, तुलसीदास का समन्वयवाद, विनय पत्रिका का काव्य सौष्ठव

इकाई- 4

मीराँ बाई का जीवन परिचय, मीराँ की भक्ति भावना, मीराँ की विरह अनुभूति, मीराँ की काव्य भाषा, रसखान का जीवन परिचय, रसखान की काव्यगत विशेषताएँ, रसखान के काव्य में प्रेमतत्व निरूपण, रसखान की भक्ति भावना

संदर्भ ग्रंथ:

1. भ्रमरगीत सार, संपा. रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. रामचरितमानस, प्रकाशन- गीता प्रेस, गोरखपुर
3. विनय पत्रिका, प्रकाशन - गीता प्रेस, गोरखपुर

4. तुलसी काव्य मीमांसा, डॉ. उदय भानु सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
5. मीराँबाई की सम्पूर्ण पदावली, संपा. -डॉ राम किशोर शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6.मीरा का काव्य, विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
7. रसखान रचनावली - सम्पादक - विद्या निवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली
8. रसखान काव्य तथा भक्ति भावना, डॉ. माजदा असद,प्रकाशन -साहित्य सदन, झांसी
9.रसखान ग्रंथावली सटीक, डॉ. देशराज सिंह भाटी ,अशोक प्रकाशन नई सड़क दिल्ली
10. सूर और उनका साहित्य, डॉ हरवंस लाल शर्मा भारत प्रकाशन, अलीगढ़

DETAILED SYLLABUS

Course Code: MHL26-D408

Course Type: ELECTIVE
Total Credits: 04

पाठ्यक्रम

Research (Dissertation/

Project/ Patent/Research Paper) Dissertation

DIS/PR/RP